UPSC OPEN MOCK TEST 2 CSAT (SOLUTION)

1. उत्तर: (c)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह उपयोगितावाद के मानकीय समर्थन को प्रस्तुत करता है। परिच्छेद सामूहिक प्रसन्नता को पूर्ण प्राथमिकता देने की वकालत नहीं करता है, बल्कि अल्पसंख्यक हितों के हाशिए पर जाने संबंधी चिंताओं को रेखांकित करता है।

(b) **गलत है:** यह अधिकतम प्रसन्नता सुनिश्चित करने के उपयोगितावाद के दावे को प्रतिबिंबित करता है। फिर भी, यह निष्पक्षता और अल्पसंख्यक अधिकारों के जोखिमों के संबंध में परिच्छेद के आलोचनात्मक दृष्टिकोण की उपेक्षा करता है।

(c) **सही है:** यह परिच्छेद में प्रस्तुत उपयोगितावादी तर्क की शक्तियों और सीमाओं दोनों को समाहित करता है। यह प्रशासनिक सरलता के साथ-साथ गुणात्मक नैतिक चिंताओं और अल्पसंख्यक अधिकारों की उपेक्षा के जोखिम को दर्शाता है।

(d) **गलत है:** परिच्छेद एक प्रवृत्ति का संकेत देता है, न कि किसी अपरिहार्य परिणाम का, जिस कारण यह कथन गलत सिद्ध होता है।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

2. उत्तर: (b)

व्याख्या:

I. **वैध नहीं है:** यह उपयोगितावादी तर्क में बहुसंख्यक प्राथमिकताओं के प्रभुत्व को दर्शाता है। हालाँकि, यह गलत तरीके से यह मान लेता है कि ऐसी प्राथमिकताएँ नैतिक रूप से श्रेष्ठ हैं, जबकि परिच्छेद इस पर आलोचनात्मक प्रश्न उठाता है।

II. **वैध है:** परिच्छेद का निहितार्थ यह है कि उपयोगितावाद का आकर्षण इसकी प्रशासनिक सरलता में निहित है। यह मानता है कि नीति निर्माता प्रबंधनीय ढांचों को प्राथमिकता दे सकते हैं, भले ही वे गहन नैतिक जटिलताओं को पर्याप्त रूप से संबोधित न करते हों।

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

3. उत्तर: (c)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह परिच्छेद के अनुरूप है, लेकिन यह एक आवश्यक उपनिगमन नहीं है। यह एक अवलोकन को पुन: प्रस्तुत करता है, न कि प्रतिक्रिया या संरचनात्मक अनुकूलन के बारे में कोई नया निहितार्थ देता है।

(b) **गलत है:** परिच्छेद धुंधली सीमाओं का संकेत देता है, लेकिन विशेष रूप से 'संस्थागत वर्गीकरण ढांचों' के बारे में नहीं। यह एक संकीर्ण व्याख्या प्रस्तुत करता है जो तर्क में सीधे तौर पर आवश्यक नहीं है।

(c) **सही है:** परिच्छेद बहुआयामी खतरों के विरुद्ध खंडित प्रतिक्रियाओं की ओर संकेत करता है। इसलिए, हाइब्रिड वारफेयर का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए संस्थानों को समन्वित तंत्रों में पुनर्गठित करना एक आवश्यक परिणाम के रूप में तार्किक रूप से अनुसरण करता है।

(d) **गलत है:** यह खंडित प्रतिक्रियाओं के बारे में परिच्छेद में पहले से मौजूद विचार को दर्शाता है। हालाँकि, यह एक व्युत्पन्न परिणाम तक विस्तारित नहीं होता है, जो इसे उप-सिद्धांत के बजाय केवल वर्णनात्मक बनाता है।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

4. उत्तर: (d)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह मान लेता है कि इंद्रियजन्य बोध वास्तविक परिवर्तन को सटीकता से दर्शाता है। परिच्छेद इंद्रियजन्य साक्ष्यों पर प्रश्न उठाता है और सुझाव देता है कि यह वास्तविकता के सच्चे और अपरिवर्तनीय स्वरूप का गलत चित्रण कर सकता है।

(b) **गलत है:** यह परिवर्तन पर प्रश्न उठाने में तर्क की भूमिका को स्वीकार करता है। हालाँकि, यह परिवर्तन की पुनर्व्याख्या करने के बजाय अवलोकन योग्य परिवर्तन को पूरी तरह नकारने की बात कहकर तर्क को अतिरंजित करता है।

(c) **गलत है:** यह इंद्रियों और तर्क के बीच सामंजस्य पर ध्यान केंद्रित करता है। इसके विपरीत, परिच्छेद सामंजस्य पर बल दिए बिना इंद्रियजन्य परिवर्तन के ऊपर तर्कसंगत स्थायित्व को प्राथमिकता देता है।

(d) **सही है:** यह इस मुख्य तर्क को समाहित करता है कि परिवर्तन एक संज्ञानात्मक भ्रम है। यह इस विचार को दर्शाता है कि रूपांतरण के आभास के बावजूद अंतर्निहित वास्तविकता स्थिर रहती है।

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

5. उत्तर: (c)

व्याख्या:

I. **वैध है:** परिच्छेद परिवर्तन की संभावना पर प्रश्न उठाने के लिए तार्किक सुसंगतता पर निर्भर करता है। यह मानता है कि वैध सत्तामीमांसीय दावों को अस्तित्वहीनता और अस्तित्व जैसे सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

II. **वैध है:** कथित परिवर्तन को एक संज्ञानात्मक मिथ्या व्याख्या के रूप में चित्रित करके और इसकी तुलना स्थायी वास्तविकता से करके, यह परिच्छेद मान लेता है कि वास्तविकता की मौलिक प्रकृति को समझने के लिए इंद्रियजनित बोध

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

6. उत्तर: (c)

BODMAS का उपयोग करके प्रत्येक विकल्प की जाँच करने पर:

(a) +, -, ×

$$(15+5)-6\times10=20-60=-40\neq28$$

(b) ×, ÷, -

$$(15\times5)\div6-10=75/6-10=12.5-10=2.5\neq28$$

(c) ÷, ×, +

$(15 \div 5) \times 6 + 10 = 3 \times 6 + 10 = 18 + 10 = 28$

L.H.S = R.H.S

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

7. उत्तर: (b)

प्रश्नानुसार,
कुल छोटे घन = $64 = 4^3$
⇒ घन 4 × 4 × 4 है
अब,
आंतरिक भाग (0 रंगे हुए): 2 × 2 × 2 = 8 घन
फलकों के केंद्र (1 रंगा हुआ): 6 फलक × (2 × 2) = 24 घन
किनारे (2 रंगे हुए): 12 × 2 = 24 घन
कुल: 8 + 24 + 24 = 56
अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

8. उत्तर: (c)

प्रश्नानुसार,
विकल्पों की जाँच करने पर:
(a) 2: 2 + 21 + 12 + 22 + 5 = 62
यह 122 के बराबर नहीं है
(b) 5: 5 + 51 + 15 + 55 + 5 = 131
यह 155 के बराबर नहीं है
(c) 7: 7 + 71 + 17 + 77 + 5 = 177
177 के ठीक बराबर है।
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

9. उत्तर: (c)

प्रयुक्त तर्क: क्रमागत अभाज्य संख्याओं के जोड़ के साथ बढ़ता हुआ दशमलव गुणांक।

$(10 \times 0.5) + 2 = 5 + 2 = 7$

$(7 \times 1.0) + 3 = 7 + 3 = 10$

$(10 \times 1.5) + 5 = 15 + 5 = 20$

$(20 \times 2.0) + 7 = 40 + 7 = 47$

$(47 \times 2.5) + 11 = 117.5 + 11 = 128.5$

इस प्रकार, X का मान 128.5 है।
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

10. उत्तर: (d)

हम जानते हैं कि,
$n \geq 5$ के लिए, n! के अंत में 0 आता है
⇒ $(n!)^4$ के अंत में भी 0 आता है
इसलिए, 5! से 2025 !तक के सभी पदों में भी 0 आता है
हम केवल प्रथम चार पदों की गणना करते हैं:
इकाई अंक:

$(1!)^4 = 1^4 = 1$ 2025!तक के सभी पदों में 1

$(2!)^4 = 2^4 = 16$ 2025!तक के सभी पदों में 6

$(3!)^4 = 6^4$ 2025!तक के सभी पदों में अंत में हमेशा 6 आता है

$(4!)^4 = 24^4 \Rightarrow 4^4 = 256$ 2025!तक के सभी पदों में 6

इकाई अंकों का योग = $1 + 6 + 6 + 6 = 19$
इकाई अंक = 9
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

11. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **पूर्वधारणा I अंतर्निहित है:** कथन में स्पष्ट है कि भूजल और मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए यूकेलिप्टस को प्रतिबंधित कर स्वदेशी पेड़ों को लगाने का निर्देश दिया गया है। यह तर्क तभी सार्थक है जब यह मान लिया जाए कि स्वदेशी पेड़, यूकेलिप्टस की तुलना में इन उद्देश्यों के लिए बेहतर विकल्प हैं।
- **पूर्वधारणा II अंतर्निहित नहीं है:** कथन एक नीतिगत निर्णय और उसके उद्देश्य के बारे में है, न कि पौधों की उपलब्धता के बारे में। विभाग के पास पर्याप्त पौधे हैं या नहीं, यह एक तार्किक मुद्दा है, जो कथन में अंतर्निहित होने के लिए आवश्यक नहीं है।

अतः, विकल्प (a) है।

12. उत्तर: (b)

प्रश्नानुसार, निम्न वेन आरेख प्राप्त हुआ :

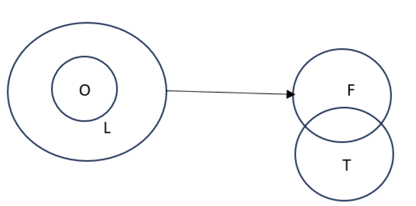

निष्कर्ष:
कुछ विचारक, नेता नहीं हैं → सत्य
कोई भी अधिकारी, अनुयायी नहीं है → सत्य
कुछ विचारक, अधिकारी हैं → असत्य
अतः, सही विकल्प (b) है।

13. उत्तर: (d)

प्रयुक्त तर्क: वर्णमाला में स्थान + शब्द में कुछ अक्षर
BIRD (4 अक्षर) के लिए कूट:
B (2) + 4 = 6 (F)
I (9) + 4 = 13 (M)

R (18) + 4 = 22 (V)
D (4) + 4 = 8 (H)
परिणाम: FMVH
CAT (3 अक्षर):
C (3) + 3 = 6 (F)
A (1) + 3 = 4 (D)
T (20) + 3 = 23 (W)
परिणाम: FDW
FISH (4 अक्षर) के लिए कूट:
F (6) + 4 = 10 (J)
I (9) + 4 = 13 (M)
S (19) + 4 = 23 (W)
H (8) + 4 = 12 (L)
अंतिम कूट: JMWL
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

14. उत्तर: (b)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह कीमतों में लागत के प्रत्यक्ष और तत्काल संचरण की पूर्वधारणा बनाता है। परिच्छेद स्पष्ट रूप से सुझाव देता है कि फर्में उपभोक्ताओं तक लागत वृद्धि पहुँचाने में देरी कर सकती हैं या उससे बच सकती हैं।

(b) **सही है:** परिच्छेद का निहितार्थ है कि लागत मुद्रास्फीति को मूल्य वृद्धि के साथ मिलाने से नीतिगत त्रुटियाँ होती हैं। अतः, अंतर्निहित कारणों की मिथ्या पहचान अनुचित आर्थिक हस्तक्षेप और अप्रभावी स्थिरता उपायों का परिणाम बन सकती है।

(c) **गलत है:** यह मूल्य स्थिरता में उत्पादन-पक्ष की लागतों के महत्व को स्वीकार करता है। हालाँकि, यह मांग-प्रेरित कारकों की उपेक्षा करता है, जो इसे एक अपूर्ण और तार्किक रूप से अपर्याप्त निष्कर्ष बनाता है।

(d) **गलत है:** यह विभिन्न आर्थिक परिघटनाओं के लिए एक समान नीतिगत प्रतिक्रियाओं की पूर्वधारणा बनाता है। परिच्छेद कारणों के बीच अंतर करने की आवश्यकता पर बल देता है, जिसका अर्थ है कि प्रभावी शासन के लिए विभेदित दृष्टिकोण अनिवार्य हैं।

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

15. उत्तर: (d)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की ओर स्पष्ट झुकाव का सुझाव देता है, जिसे परिच्छेद पूर्णतः स्वीकार नहीं करता है। यह निरंतर बने हुए सामाजिक प्रतिरोध और स्वायत्तता की सशर्त प्रकृति की उपेक्षा करता है जिस पर परिच्छेद में बल दिया गया है।

(b) **गलत है:** यह गलत तरीके से मान लेता है कि संस्थागत सुरक्षा उपाय जाति-आधारित हिंसा को समाप्त करने में पूरी तरह प्रभावी हैं। परिच्छेद स्पष्ट रूप से उनकी सीमित सफलता और ऐसे सामाजिक अपराधों की निरंतरता को रेखांकित करता है।

(c) **गलत है:** यद्यपि परिच्छेद सुरक्षा में विषमता का उल्लेख करता है, लेकिन यह इसका केंद्रीय विषय नहीं है। इसका व्यापक फोकस स्वायत्तता और सामाजिक बाधाओं के बीच के तनाव पर है, न कि केवल कानूनी असंगति पर।

(d) **सही है:** यह विकल्प विवाह पर व्यक्तिगत स्वायत्तता और सामाजिक नियंत्रण के बीच परिच्छेद के मुख्य तनाव को समाहित करता है। यह परिणामों का सरलीकरण किए बिना कानूनी और सामाजिक प्रतिक्रियाओं को आकार देने वाले वैचारिक संघर्ष को दर्शाता है।

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

16. उत्तर: (a)

व्याख्या:

I. **वैध है:** परिच्छेद इंगित करता है कि कानूनी सुरक्षा उपायों के बावजूद हानिकारक प्रथाएं बनी रहती हैं। यह इस पूर्वधारणा पर आधारित है कि कानून अकेले ही जड़वत् सामाजिक और सांस्कृतिक मानदंडों को पूरी तरह से बदलने के लिए पर्याप्त नहीं है।

II. **वैध नहीं है:** परिच्छेद यह पूर्वधारणा नहीं बनाता कि कानूनी विस्तार स्वतः ही अनुरूपता के दबाव को कम कर देता है। इसके विपरीत, यह विकसित होते कानूनी हस्तक्षेपों के बावजूद सामाजिक बाधाओं की निरंतरता पर बल देता है।

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

17. उत्तर: (b)

व्याख्या:

I. **गलत है:** यद्यपि विनिर्माण वृद्धि को रेखांकित किया गया है, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों में स्थिरता की गारंटी नहीं दी गई है। परिच्छेद असंतुलन पर बल देता है, जिसका अर्थ है कि केवल प्रधानता मात्र से प्रणालीगत औद्योगिक स्थिरता सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

II. **सही है:** परिच्छेद संरचनात्मक असंतुलन और कमजोर मांग के विकास की स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभाव को इंगित करता है। अतः, तार्किक रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि स्थिर विकास के लिए क्षेत्रीय असमानताओं और मांग संबंधी बाधाओं का समाधान करना अनिवार्य है।

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

18. उत्तर: (c)

दिया गया है: दो प्राकृतिक संख्याओं के बीच का अंतर = 12
उनके बीच स्थित 4 से विभाज्य संख्याएँ: 4, 8, 12, 16, 20, …
अतः, 12 के अंतराल में, 4 के गुणजों की संख्या इस पर निर्भर करती है कि अंतराल कहाँ से प्रारंभ होता है।
माना कि छोटी संख्या n है, और बड़ी संख्या = n + 12 है।
अब उनके बीच 4 के गुणजों को देखते हैं।
यदि $n = 1$: अंतराल (1, 13) → 4, 8, 12 → 3 संख्याएँ
यदि $n = 2$: अंतराल (2, 14) → 4, 8, 12 → 3 संख्याएँ
यदि $n = 3$: अंतराल (3, 15) → 4, 8, 12 → 3 संख्याएँ
यदि $n = 4$: अंतराल (4, 16) → 8, 12 → 2 संख्याएँ
इसलिए, ऐसे मानों की संख्या भिन्न हो सकती है (2 या 3)।
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

19. उत्तर: (d)

दिया गया है $0<x<1$, प्रत्येक कथन की जाँच करने पर:
प्रश्नानुसार,

कथन I: $\frac{1}{x}>\sqrt{x}$

चूँकि $0<x<1$:

$\frac{1}{x}>1$

$\sqrt{x}<1$

इसलिए स्पष्ट है, $\frac{1}{x}>\sqrt{x}$

इस प्रकार, कथन I सही है।
कथन II: $x^2-x<0$
गुणनखंड: $x(x-1)<0$
$0<x<1$ के लिए:
$x>0$
$x-1<0$
गुणनफल = ऋणात्मक
इस प्रकार, कथन II सही है।

कथन III: $x+\frac{1}{x}>2$

ज्ञात असमिका($AM \geq GM$) का प्रयोग करने पर:

$x+\frac{1}{x}\geq 2$

समानता केवल तब होती है जब $x=1$, किंतु यहाँ $x<1$, इसलिए:

$x+\frac{1}{x}>2$

इस प्रकार, कथन III सही है।
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

20. उत्तर: (a)

प्रश्नानुसार,
मात्रा-I: योग का न्यूनतम मान जब 15 संख्याएँ क्रमागत पूर्णांक हों और उनका गुणनफल 0 हो।
गुणनफल 0 होने के लिए, पूर्णांकों में से एक का 0 होना अनिवार्य है।
माना कि 15 क्रमागत पूर्णांक निम्न हैं:
$x, x+1, x+2, \ldots, x+14$
0 को सम्मिलित करने के लिए, न्यूनतम संभव प्रारंभिक बिंदु लीजिए:
$-14, -13, \ldots, -1, 0$
इन संख्याओं का योग:

$\text{योग} = -(1+2+\cdots+14) = -\frac{14\cdot 15}{2} = -105$

मात्रा – I = -105
मात्रा–II: औसत का न्यूनतम मान जब 15 संख्याएँ क्रमागत पूर्णांक हों और उनके वर्गों का योग न्यूनतम हो।
माना कि संख्याएँ हैं:
$x, x+1, x+2, \ldots, x+14$
वर्गों का योग तब न्यूनतम होता है जब संख्याएँ 0 के सबसे निकट हों (अर्थात्, 0 के परितः सममित हों)।
अतः, समुच्चय है:
$-7, -6, \ldots, 0, \ldots, 6, 7$
क्रमागत संख्याओं का औसत = मध्य संख्या = 0
मात्रा – II = 0
तुलना करने पर, हमें प्राप्त होता है:
मात्रा I < मात्रा II
अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

21. उत्तर: (b)

प्रश्नानुसार,
A = 4E
B = D+3
D = C+2
चूँकि अंक (0 – 9) हैं और :
(अन्य मानों से , जोकि संभव नहीं है)
स्थिति 1: E = 1, A = 4
अब:
का उपयोग करने पर
वैध C की जाँच करने पर कि अंक ≤ 9:
$C=0 \Rightarrow D=2, B=5$ वैध है
$C=3 \Rightarrow D=5, B=8$ वैध है
वैध सेट: (C, D, B) = (0, 2, 5) और (3, 5, 8)
इसलिए, 2 संख्याएँ
स्थिति 2: E = 2, A = 8
एक बार फिर:
$D=C+2, B=C+5$
वैध सेट: (1, 3, 6) और (4, 6, 9)
इसलिए, 2 संख्याएँ
इस प्रकार, अभीष्ट परिणाम: 2 + 2 = 4
अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

22. उत्तर: (b)

माना सार्व शेषफल 'r' और भाजक 'n' है।
तो,
94 – r, 136 – r, 220 – r, n से विभाज्य है
$\Longrightarrow$ 'n' विभाजित करता है:
$136-94=42$
$220-136=84$
$220-94=126$
इसलिए,
HCF (42, 84, 126) = 42

अब,
94 ÷ 42 का शेषफल = 10
इसलिए, (r = 10)
इस प्रकार, अभीष्ट मान = (n – r) = 42 - 10 = 32
अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

23. उत्तर: (c)

प्रयुक्त तर्क: यह एक दोहरी-अंतर श्रेणी (Double-Difference Series) है, जहाँ अंतर का दूसरा स्तर एक समानांतर श्रेणी बनाता है।
प्रथम स्तर का अंतर ज्ञात करने पर:
$19-11=8$
$41-19=22$
$83-41=42$
$151-83=68$
अंतरों का दूसरा स्तर ज्ञात करने पर:
$22-8=14$
$42-22=20$
$68-42=26$
दूसरे स्तर में अंतर +6 के स्थिरांक से बढ़ रहा है
X का मान: 151 + 68 + (26 + 6) = 251
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

24. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **पूर्वधारणा I अंतर्निहित है:** प्राधिकरण 'नेट जीरो' प्राप्त करने के लिए हाइड्रोजन की ओर रुख कर रहा है, इसलिए यह माना गया है कि हाइड्रोजन ईंधन बसों के लिए एक व्यावहारिक और शून्य-उत्सर्जन समाधान है।
- **पूर्वधारणा II अंतर्निहित नहीं है:** कथन केवल 'नेट जीरो' उत्सर्जन प्राप्त करने की बात करता है, न कि शहर के समग्र प्रदूषण हिस्से को कम करने की। भले ही बसों का योगदान कम हो, प्राधिकरण फिर भी अपने स्तर पर उत्सर्जन को समाप्त करने का लक्ष्य रख सकता है। इसलिए यह पूर्वधारणा आवश्यक नहीं है।

अतः, सही विकल्प (a) है।

25. उत्तर: (b)

प्रयुक्त तर्क: यह शब्द दो भागों में विभाजित है। पहला भाग +1 आगे, दूसरा भाग -1 पीछे
TENT के लिए कूट:
पहला आधा भाग (TE):
T + 1 = U, E + 1 = F
दूसरा आधा भाग (NT):
N – 1 = M, T – 1 = S
परिणाम: UFMS
BOOK के लिए कूट:
पहला आधा भाग (BO):
B + 1 = C, O + 1 = P
दूसरा आधा भाग (OK):
O – 1 = N, K – 1 = J
परिणाम: CPNJ
इसी तरह, LAMP के लिए कूट:
पहला आधा भाग (LA):
L + 1 = M, A + 1 = B
दूसरा आधा भाग (MP):
M – 1 = L, P – 1 = O
अंतिम कूट: MBLO
अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

26. उत्तर: (d)

प्रश्नानुसार, निम्न आकृति प्राप्त हुई:

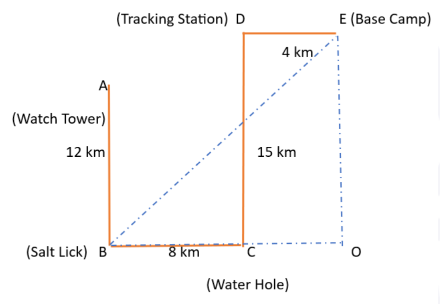

त्रिभुज BEO में पाइथागोरस प्रमेय लगाने पर,
$BE^2 = EO^2 + OB^2$
$BE^2 = 15^2 + 12^2$
$BE = \sqrt{369} = 3\sqrt{41} \approx 19.2$ कि.मी.
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

27. उत्तर: (d)

व्याख्या:

(a) गलत है: यह मानता है कि अंतर्विरोध अंततः समाप्त हो जाते हैं, जो परिच्छेद के मूल भाव का खंडन करता है। पाठ इस बात पर बल देता है कि अंतर्विरोध 'संवाद' के भीतर भी बने रहते हैं, न कि पूरी तरह से हल होते हैं।

(b) गलत है: यद्यपि प्रगति रैखिक प्रतीत होती है, परिच्छेद अंतर्निहित चक्रीय प्रतिमानों को रेखांकित करता है। यह विकल्प द्वंद्ववाद की पुनरावर्ती प्रकृति की उपेक्षा करता है, जिससे यह आंशिक रूप से गलत हो जाता है।

(c) गलत है: यह विकल्प अंतर्विरोधों की रचनात्मक भूमिका को गलत तरीके से कम आंकता है, हालांकि यह उनके बाधक कार्य को आंशिक रूप से स्वीकार करता है।

(d) सही है: यह इस सार को ग्रहण करता है कि अंतर्विरोध प्रगति को गति देते हैं लेकिन कभी पूरी तरह से हल नहीं होते। यह द्वंद्ववाद की उस चक्रीय और रूपांतरकारी प्रकृति को प्रतिबिंबित करता है जिस पर पूरे परिच्छेद में बल दिया गया है।

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

28. उत्तर: (a)

व्याख्या:

I. **वैध है:** परिच्छेद यह मानता है कि अंतर्विरोध वैचारिक प्रणालियों के भीतर ही अंतर्निहित होते हैं। इस पूर्वधारणा के बिना, प्रतिवाद का उदय और द्वंद्वात्मक गति की निरंतरता तार्किक रूप से संभव नहीं होगी।

II. **वैध नहीं है:** यद्यपि संवाद समाधानकारी प्रतीत होता है, परिच्छेद किसी अंतिम साम्य की पूर्वधारणा नहीं रखता। यह निरंतर चक्रों को रेखांकित करता है, जो वैचारिक संघर्षों के किसी अंतिम स्थिरीकरण की अनुपस्थिति का संकेत देता है।

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

29. उत्तर: (d)

व्याख्या:

(a) **गलत:** यह सामाजिक अनुकूलन को एक सीमित कारक के रूप में प्रस्तुत करता है, जो यहाँ केंद्रीय विषय नहीं है। परिच्छेद पहचान निर्माण को आकार देने वाली संरचनात्मक बाधा के बजाय मौलिक स्वतंत्रता पर बल देता है।

(b) **गलत:** यह सही ढंग से चिंता और भूमिकाओं के साथ संघर्ष को उजागर करता है। हालाँकि, यह तर्क को केवल मनोवैज्ञानिक तनाव तक सीमित कर देता है, और 'सार' की मौलिक अनुपस्थिति तथा जिम्मेदारी की उपेक्षा करता है।

(c) **गलत:** यह अर्थ निर्धारित करने वाली सामाजिक संरचनाओं की ओर झुकाव रखता है। इसके विपरीत, परिच्छेद तर्क देता है कि अर्थ व्यक्तिगत रूप से गठित होता है, न कि किसी निश्चित अर्थ में सामाजिक रूप से थोपा गया।

(d) **सही:** यह अनिवार्य दार्शनिक दावे को समाहित करता है: 'सार' की अनुपस्थिति जिम्मेदारी की ओर ले जाती है। यह बाहरी या गौण तत्वों को जोड़े बिना मूल अस्तित्वगत संरचना को प्रतिबिंबित करता है।

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

30. उत्तर: (b)

व्याख्या:

I. **वैध नहीं:** यद्यपि सामाजिक अपेक्षाएँ मौजूद होती हैं, परिच्छेद ऐसी सीमाओं से परे मौलिक स्वतंत्रता पर बल देता है। यह विकल्प स्वतंत्रता को गलत तरीके से बाधित करता है, जो अंतर्निहित दार्शनिक रुख का खंडन करता है।

II. **वैध है:** परिच्छेद यह मानकर चलता है कि अर्थ का निर्माण व्यक्तिगत रूप से किया जाना चाहिए। व्यक्तिगत एजेंसी की प्रधानता को स्वीकार किए बिना, स्व-निर्मित अर्थ और प्रामाणिकता के बारे में तर्क तार्किक रूप से टिक नहीं सकता।

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

31. उत्तर: (d)

हमारे पास 6 विशिष्ट परियोजनाएँ और 3 अलग-अलग टीमें हैं।
प्रत्येक परियोजना किसी भी टीम के पास जा सकती है = $3^6 = 729$

अब उन स्थितियों को बाहर करें जहाँ कम से कम एक टीम रिक्त है (समावेशन-वर्जन):
स्थिति 1: एक टीम रिक्त है
रिक्त टीम का चयन = ${}^3C_1 = 3$ तरीके
शेष 2 टीमों को सभी परियोजनाएँ मिलती हैं: $2^6 = 64$
$\Longrightarrow (3 \times 64 = 192)$
स्थिति 2: दो टीमें रिक्त हैं
2 रिक्त टीमों का चयन: ${}^3C_2 = 3$
सभी परियोजनाएँ 1 टीम को मिलती हैं: $1^6 = 1$
$\Longrightarrow (3 \times 1 = 3)$
अब,
वैध आवंटन = (729 - 192 + 3) = 540
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

32. उत्तर: (a)

माना R का निवेश= x

Q का निवेश, R का 2/5 है = $\frac{2}{5}x$

P का निवेश, Q का 4 गुना है = $\frac{8}{5}x$

अतः, निवेश का अनुपात: P: Q: R

$= \frac{8}{5}x : \frac{2}{5}x : x = 8 : 2 : 5$

अब, कुल हिस्से= 15
और कुल लाभ = ₹ 7500
प्रति हिस्सा मात्रा= $7500 \div 15 = 500$
इसलिए: $P = 8 \times 500 = 4000$
$Q = 2 \times 500 = 1000$
$R = 5 \times 500 = 2500$
मात्रा I: $= P - R = 4000 - 2500 = 1500$
मात्रा 2: $= Q + R = 1000 + 2500 = 3500$
तुलना करने पर, हमें प्राप्त होता है:
मात्रा II > मात्रा I
अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

33. उत्तर: (c)

मात्रा I:
दिया गया है:
दर = 20% प्रति वर्ष
समय = 2 वर्ष (अर्धवार्षिक रूप से चक्रवृद्धि)
साधारण ब्याज = P का 40% = 0.40P
चक्रवृद्धि ब्याज = $\left(P(1.10)^4 - P = 0.4641P\right)$

अंतर = $0.4641P - 0.40P = 0.0641P$
दिया गया अंतर = 102.56

$\Longrightarrow 0.0641P = 102.56$
$\Longrightarrow P = 1600$
माला II:
साधारण ब्याज =₹ 640
दर = 10% प्रतिवर्ष, समय = 4 वर्ष

साधारण ब्याज = $\frac{P \times R \times T}{100}$

$640 = \frac{P \times 10 \times 4}{100}$

$640 = 0.4P$
$\Longrightarrow P = 1600$
इसलिए, X का मान ₹ 1600 है
तुलना करने पर, हमें प्राप्त होता है:
माला II = माला I
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

34. उत्तर: (c)

कर्मचारियों की संख्या = 1000
प्रति कर्मचारी प्रतिदिन पानी की खपत = 45 लीटर
कुल दैनिक खपत = 1000 × 45 = 45000 लीटर
टंकी का आयतन = 10 × 9 × 2 = 180 घन मीटर
लीटर में बदलने पर: 1 घन मीटर = 1000 लीटर
$\Longrightarrow$ 180 × 1000 = 180000 लीटर
अब,
पानी जितने दिन चलेगा = $\frac{180000}{45000} = 4$ दिन

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

35. उत्तर: (c)

प्रश्नानुसार,
कथन I: जब 19^{15} को 20 से विभाजित किया जाता है, शेषफल 19 है
हम 19 को इस प्रकार लिख सकते हैं: (20–1)

$$\Rightarrow \frac{(20-1)^{15}}{20} \equiv \frac{-1^{15}}{20}$$

⇒ भाजक 20 में -1 का शेषफल 20 – 1 – 19 है
इस प्रकार, कथन I सत्य है
कथन II से:
शेषफल इस प्रकार होगा

$$\Rightarrow \frac{1 \times 3 \times 5}{12}$$

$\Rightarrow \frac{15}{12}$ = शेषफल 3

इस प्रकार, कथन II सही है
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

36. उत्तर: (c)

प्रश्नानुसार, निम्न फैमिली ट्री प्राप्त हुआ:

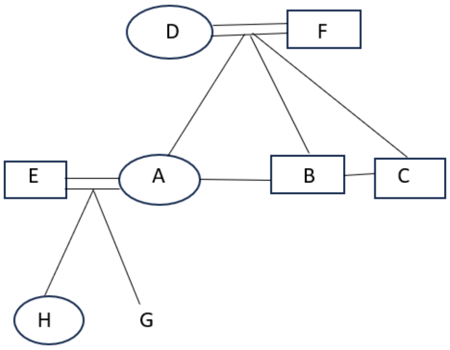

(a) केवल A, D, H महिलाएँ हैं और G का लिंग स्पष्ट नहीं है: निश्चित नहीं है।
(b) G का लिंग निर्धारित नहीं है: निश्चित नहीं है।
(c) E का विवाह A से हुआ है; C, A का भाई है → C, E का साला/बहनोई है: निश्चित रूप से सत्य है।
(d) E, A का पति है → वह B का पिता नहीं है: सत्य नहीं है
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

37. उत्तर: (b)

दोपहर 12:00 बजे, घंटे की सुई '12' के अंक पर होती है, जिसे उत्तर दिशा के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।
एक घड़ी में:
3 → पूर्व
6 → दक्षिण
9 → पश्चिम
अपराह्न 3:00 बजे, घंटे की सुई ठीक 3 के अंक पर होती है।
इसलिए, यह सुई पूर्व दिशा को इंगित करती है।
अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

38. उत्तर: (c)

प्रश्नानुसार,
फरवरी 29, 1896 से फरवरी 29, 1904 तक = 8 वर्ष
सामान्य वर्ष से विषम दिन = 8 दिन
इनके बीच लीप वर्ष:
1900 (लीप वर्ष नहीं है), 1904 (गणना की जाती है चूँकि इस वर्ष 29 फरवरी आया था)
इसलिए, 1 अतिरिक्त लीप दिन
कुल विषम दिन: 8 + 1 = 9 ≡ 2
दिन का स्थानांतरण = +2 दिन
अंतिम दिन = शनिवार + 2 = सोमवार
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

39. उत्तर: (c)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह पारिस्थितिकी और समानता के बीच के तनाव को प्रभावी ढंग से दर्शाता है। हालाँकि, यह केवल वर्णनात्मक बना रहता है और लचीलेपन के बारे में उस भविष्योन्मुखी बोध को संप्रेषित नहीं करता है जिस पर परिच्छेद में जोर दिया गया है।

(b) **गलत है:** यह दक्षता की वैचारिक अस्पष्टता की पहचान तो करता है, लेकिन वैचारिक दुविधा तक ही सीमित रहता है। यह स्थिरता और वितरणकारी परिणामों के बारे में व्यापक बोध को संप्रेषित नहीं करता है।

(c) **सही है:** यह लेखक के इस गहरे निष्कर्ष को दर्शाता है कि दीर्घकालिक लचीलेपन के लिए स्थिरता और समानता को एक साथ पहचाना जाना चाहिए। यह छिपी हुई लागतों और भविष्योन्मुखी निहितार्थों का प्रभावी ढंग से संश्लेषण करता है।

(d) **गलत है:** यह पारिस्थितिक और समानता संबंधी चिंताओं को एकीकृत तो करता है। हालाँकि, यह लचीलेपन और प्रणालीगत पुनर्विचार के गहरे पाठ को संप्रेषित करने के बजाय केवल समस्या-केंद्रित बना रहता है।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

40. उत्तर: (d)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह विकल्प मानता है कि मुआवजा नुकसान की पूरी तरह भरपाई कर सकता है, जो परिच्छेद के तर्क के विपरीत है। परिच्छेद स्पष्ट रूप से कहता है कि गैर-भौतिक नुकसानों की पर्याप्त भरपाई नहीं की जा सकती।

(b) **गलत है:** यह सुझाव देता है कि विकास सांस्कृतिक हानि को उचित ठहराता है, जिसकी लेखक परोक्ष रूप से आलोचना करता है। लेखक विकास को एक विरोधाभास के रूप में प्रस्तुत करता है, न कि सांस्कृतिक परिणामों की उपेक्षा के औचित्य के रूप में।

(c) **गलत है:** यह प्रशासनिक उपेक्षा को तो दर्शाता है लेकिन समस्या को केवल 'अनजाने में हुई चूक' तक सीमित कर देता है। परिच्छेद केवल अनपेक्षित अज्ञानता के बजाय गहरी संरचनात्मक अपर्याप्तता का संकेत देता है।

(d) **सही है:** यह विकल्प इस केंद्रीय विचार को प्रतिबिंबित करता है कि विकास को आर्थिक मुआवजे से आगे बढ़ना चाहिए। यह सामाजिक-सांस्कृतिक आयामों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल देता है, जिस पर परिच्छेद में कड़ा जोर दिया गया है।

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

41. उत्तर: (c)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यद्यपि शासन में सुधार पर चर्चा की गई है, परिच्छेद इसे मुख्य विचार के रूप में प्रस्तुत नहीं करता है। यह लाभों को प्राथमिकता देने के बजाय जोखिमों और तनावों पर बल देता है।

(b) **गलत है:** यह सुझाव देता है कि चिंताएं केवल अनुचित कार्यान्वयन से उत्पन्न होती हैं, जो भ्रामक है। परिच्छेद इंगित करता है कि जोखिम उचित रूप से कार्य करने वाली निगरानी प्रणालियों के भीतर भी अंतर्निहित हैं।

(c) **सही है:** यह विकल्प पूरे परिच्छेद में रेखांकित मुख्य विरोधाभास को ग्रहण करता है। यह केंद्रीय विषय के रूप में तकनीकी दक्षता और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के क्षरण के बीच के तनाव को दर्शाता है।

(d) **गलत है:** यह गलत तरीके से मान लेता है कि निगरानी आबादी के बीच न्यायसंगत परिणामों की ओर ले जाती है। परिच्छेद स्पष्ट रूप से प्रणालीगत पूर्वाग्रहों के कारण हाशिए पर रहने वाले समुदायों पर पड़ने वाले असंगत नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित करता है।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

42. उत्तर: (b)

व्याख्या:

I. **वैध नहीं है:** परिच्छेद एल्गोरिथम पूर्वाग्रह का उल्लेख करता है लेकिन सामाजिक प्रतिबिंब को पूरी तरह से मानकर नहीं चलता है। यह सुझाव देता है कि पूर्वाग्रह मौजूद है लेकिन इसके व्यापक मूल कारणों को स्पष्ट रूप से सामान्यीकृत नहीं करता है।

II. **वैध है:** परिच्छेद सुझाव देता है कि व्यक्ति स्वतंत्रता के क्रमिक क्षरण को महसूस नहीं कर सकते हैं। यह इस पूर्वधारणा को दर्शाता है कि निरंतर निगरानी वाले वातावरण में जागरूकता सीमित होती है।

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

43. उत्तर: (c)

दिया गया है:

पहले दिन का जुर्माना = ₹ 1000

सार्व अंतर= ₹ 250

दिनों की संख्या = 20

यह एक समांतर श्रेणी बनाता है

⟹ कुल जुर्माना = $S_n = n/2\ [2a + (n-1)d]$

$S_{20} = 20/2\ [2(1000) + 19(250)]$

= 10 [2000 + 4750]

= 10 × 6750

= ₹67,500

अतः, विकल्प (c) है।

44. उत्तर: (c)

अर्जुन वरुण को 60 मिनट में 2 चक्कर से हराता है

⟹ सापेक्षिक चाल= 2 चक्कर / 60 मिनट = 30 मिनट में 1 चक्कर

8 चक्कर में:

वरुण अर्जुन से 2 चक्कर पीछे है

⟹ जब अर्जुन 8 चक्कर पूरे करता है, वरुण 6 चक्कर पूरे करता है

⟹ अंतर = 2 चक्कर

⟹ 8 चक्कर पूरे करने में अर्जुन द्वारा लिया गया समय = 60 मिनट

⟹ प्रति चक्कर समय = 60 ÷ 8 = 7.5 मिनट

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

45. उत्तर: (a)

$125 \times 67 \times 43 \times 16 \times 91 \times 22$
$\Longrightarrow 125 \times 16 = 2000$ (1000 से विभाज्य)
चूँकि गुणनफल में 1000 से विभाज्य एक गुणनखंड शामिल है, इसलिए संपूर्ण व्यंजक 1000 से विभाज्य है।
$\Longrightarrow$ शेषफल = 0
अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

46. उत्तर: (b)

माना अभीष्ट संख्या (N) है
दिया गया है:
जब (N) को 9, 12, या 15 से भाग दिया जाता है तो शेषफल 7 बचता है।
$\Longrightarrow$ (N - 7), 9, 12, और 15 से विभाज्य है।
LCM (9, 12, 15) = 180
इसलिए, (N - 7 = 180k)
$\Longrightarrow$ (N = 180k + 7)
अब लघुत्तम (N > 3000) ज्ञात करने पर:
$180k + 7 > 3000$
$180k > 2993$
$k \geq 17$
k = 17 के लिए:
$N = 180 \times 17 + 7 = 3067$
अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

47. उत्तर: (a)

प्रश्नानुसार,
पाँच वर्ष पूर्व, 3 सदस्यों की कुल आयु = 60
$\Longrightarrow$ उन 3 सदस्यों की वर्तमान कुल आयु = $60 + (3 \times 5) = 75$
माना बच्चे की वर्तमान आयु = x
अब परिवार में 4 सदस्य हैं।
5 वर्ष पूर्व का औसत = $60 \div 3 = 20$
अतः वर्तमान औसत भी 20 ही होना चाहिए
$\Longrightarrow$ 4 सदस्यों की वर्तमान कुल आयु = $20 \times 4 = 80$
अतः,
$75 + x = 80$
$x = 5$
अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

48. उत्तर: (b)

प्रयुक्त तर्क:
इस पैटर्न में, प्रत्येक ब्लॉक सेट M N O P पर आधारित है, लेकिन जो अक्षर रिक्त स्थान पर होना चाहिए, उसे उसके वर्णमाला के विपरीत अक्षर से बदल दिया गया है।
अभीष्ट परिणाम: M N O K / M N L P / M M O P/ N N O P
अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

49. उत्तर: (d)

प्रश्नानुसार,
P , बाएँ से 16वाँ है, R, P और Q के मध्य में है तथा P और R के बीच में है = 5 विद्यार्थी
$\Longrightarrow$ दूरी = 6
इसलिए, R हो सकता है:
- ✓ P के दाएँ: 16+6=22वाँ
- ✓ P के बाएँ: 16-6=10वाँ

स्थिति 1: R = 22वाँ
चूँकि R मध्यबिंदु है:
Q = 22 + 6 = बाएँ से 28वाँ
Q, दाएँ से 20वाँ है:
कुल=28+20-1=47
स्थिति 2: R = 10वाँ
Q=10−6= बाएँ से 4वाँ
कुल=4+20-1=23
अंतर: $47 - 23 = 24$
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

50. उत्तर: (a)

प्रश्नानुसार,
निष्कर्ष:
I. $U > Q \rightarrow$ सत्य
II. $M > O \rightarrow$ निश्चित नहीं है
III. $V < T \rightarrow$ निश्चित नहीं है
अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

51. उत्तर: (a)

व्याख्या:

I. **सही है:** परिच्छेद यह संकेत देता है कि अपरीक्षित विचारधाराएँ जटिल समस्याओं को हल करने की क्षमता को कमजोर करती हैं। यह आलोचनात्मक जुड़ाव की कमी को सार्थक प्रतिक्रियाओं के लिए कम होती सामाजिक क्षमता के साथ जोड़ता है।
II. **गलत है:** यद्यपि अलंकारिक निरंतरता का उल्लेख किया गया है, परिच्छेद इसकी प्रशंसा करने के बजाय इसकी आलोचना करता है। यह यह सुझाव नहीं देता कि ऐसी निरंतरता विमर्श को सार्थक रूप से मजबूत करती है; इसके विपरीत, यह इसे वास्तविक स्थिति को छिपाने वाला कारक मानता है।

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

52. उत्तर: (d)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** परिच्छेद एक प्रमुख समस्या के रूप में संस्थागत वैज्ञानिक दृष्टिकोणों के अभाव को रेखांकित करता है। इसलिए, ऐसे ज्ञान को औपचारिक रूप देने से तार्किक रूप से आवर्ती और रोकी जा सकने वाली भीड़ आपदाओं में कमी आएगी।

(b) **गलत है:** यद्यपि अनौपचारिक प्रथाएं समस्याओं में योगदान देती हैं, परिच्छेद यह दावा नहीं करता कि वे एकमात्र कारण हैं। केवल उन्हें समाप्त करने से आपदाओं को पूरी तरह से नहीं रोका जा सकता।

(c) **गलत है:** परिच्छेद स्पष्ट रूप से 'अनुभवात्मक ज्ञान' पर निर्भरता की आलोचना करता है और इसे अपर्याप्त बताता है। अतः, इसे पर्याप्त बताना समग्र तर्क का खंडन करता है।

(d) **सही है:** वैश्विक मॉडलों का संदर्भ अप्रत्यक्ष रूप से दिया गया है, लेकिन उनके सीधे अनुप्रयोग का समर्थन नहीं किया गया है। परिच्छेद बाहरी ढांचों के बिना सोचे-समझे अपनाने के बजाय अनुकूलन की आवश्यकता का संकेत देता है।

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

53. उत्तर: (b)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यद्यपि अव्यवस्था का उल्लेख किया गया है, परिच्छेद अत्यधिक नियंत्रण को समाधान के रूप में स्वीकार नहीं करता है। यह प्रभावी शासन के आधार के रूप में दृढ़ नियंत्रण के बजाय संयम पर बल देता है।

(b) **सही है:** यह विकल्प संयम के माध्यम से प्रतिस्पर्धी अनिवार्यताओं के बीच संतुलन बनाने के मुख्य विचार को समाहित करता है। यह प्रभावी और स्थायी शासन के लिए अनिवार्य 'साम्यावस्था' पर परिच्छेद के बल को दर्शाता है।

(c) **गलत है:** परिच्छेद संयम का समर्थन करता है लेकिन यह सुझाव नहीं देता कि यह जवाबदेही को सीमित करता है। इसके विपरीत, यह संयम को नैतिक और मानदंकीय सुसंगतता बनाए रखते हुए अनुकूलन क्षमता को सक्षम करने वाले कारक के रूप में प्रस्तुत करता है।

(d) **गलत है:** यह विकल्प मानदंडों के ऊपर लचीलेपन को प्राथमिकता देता है, जो परिच्छेद के विपरीत है। पाठ किसी एक पक्ष का असंगत रूप से समर्थन करने के बजाय संतुलन बनाए रखने पर जोर देता है।

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

54. उत्तर: (a)

व्याख्या:

I. **वैध है:** यह तर्क इस बात को मानकर चलता है कि नैतिक और व्यावहारिक विचारों का सह-अस्तित्व अनिवार्य है। शासन में अधिकार और जवाबदेही के बीच संयम की वकालत करने में यह संरेखण अंतर्निहित है।

II. **वैध नहीं है:** यह मानता है कि कठोरता स्थिरता सुनिश्चित करती है, जिस पर परिच्छेद प्रश्न उठाता है। यह तर्क देता है कि अत्यधिक कठोरता स्थिर शासन परिणाम बनाए रखने के बजाय प्रभावशीलता का दमन करती है।

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

55. उत्तर: (a)

माना अंकित मूल्य '₹100x' है

प्रश्नानुसार,

$\Longrightarrow$ विक्रय मूल्य = 100x का 81% = 81x

अब, दुकानदार 20% का लाभ कमाना चाहता है

$$\Longrightarrow \frac{120}{100} \times 81x = 97.2x$$

हालाँकि, वह 10% की छूट देने के बाद इसे ₹97.2 में प्राप्त करना चाहता है

$$\text{इस प्रार, MRP} \times \frac{90}{100} = 97.2$$

$$\Longrightarrow \text{MRP} = 97.2 \times \frac{100}{90} = 108$$

वह ओरतिशत जिससे उसका अंकित मूल्य मूल अंकित मूल्य से अधिक हो जाएगा $= \frac{108x - 100x}{100x} \times 100 = 8\%$

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

56. उत्तर: (b)

दिया गया है:

$4^8 \times 7^6 \times 11^3$

अभाज्य गुणनखंडों में तोड़ने पर:

$4 = 2^2 \Rightarrow 4^8 = \left(2^2\right)^8 = 2^{16}$

इसलिए, व्यंजक बन जाता है:

$2^{16} \times 7^6 \times 11^3$

अभाज्य गुणनखंडों की कुल संख्या (दोहराव के साथ):

16 + 6 + 3 = 25

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

57. उत्तर: (d)

प्रश्नानुसार,

प्रत्येक प्रश्न के 2 संभावित उत्तर हैं (सत्य या असत्य).

5 प्रश्नों के लिए, कुल अद्वितीय उत्तर कुंजियाँ = 2^5 = 32

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

58. उत्तर: (d)

प्रश्नानुसार,

40 पारियों के बाद, औसत = 65

$\Longrightarrow$ 40 पारियों में कुल रन = 40 × 65 = 2600

अंतिम 10 पारियों में रन = 800

$\Longrightarrow$ पहली 30 पारियों में रन = 2600 − 800 = 1800

पहली 30 पारियों में औसत रन $= \frac{1800}{30} = 60$

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

59. उत्तर: (d)

दी गई जानकारी के अनुसार:
लंबाई की रैंकिंग (सबसे लंबे से सबसे छोटे तक):
क्रम: A (1) > D (2) > B (3) > C (4) > E (5) > F/G
वेतन की रैंकिंग (सबसे अधिक से सबसे कम तक):
क्रम: G (1) > F (2) > B (3) > E (4) > C (5) > D (6) > A (7)
तीसरा सबसे छोटा व्यक्ति = E
$\Longrightarrow$ E का वेतन = ₹ 45,000
चूँकि E, C से अधिक कमाता है C $\Longrightarrow$ C < ₹ 45,000
C < 45,000 को कोई मान संतुष्ट नहीं करता है
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

60. उत्तर: (d)

प्रश्नानुसार, निम्न व्यवस्था प्राप्त हुई:

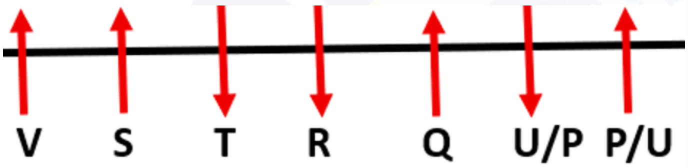

चूंकि U और P निकटतम पड़ोसी हैं और उनकी स्थिति को स्पष्ट रूप से अलग करने के लिए कोई अन्य संकेत उपलब्ध नहीं है, इसलिए पंक्ति के अंत में बैठने वाले सटीक व्यक्ति की पहचान नहीं की जा सकती है।
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

61. उत्तर: (c)

माना सभी तीन = x
$\Longrightarrow$ ठीक दो = 4x
$\Longrightarrow$ ठीक एक = 120
प्रश्नानुसार,
कुल: 120 + 4x + x = 180
$\Longrightarrow$ 120 + 5x = 180
$\Longrightarrow$ x = 12
दिया गया है: केवल D = x = 12 और (केवल L ∩ V) = 18
ठीक दो = 48
$\Longrightarrow$ शेष: $(D \cap L) + (D \cap V) = 48 - 18 = 30$
चूँकि L = V:
ठीक एक:
12 + केवल L + केवल V = 120 ⇒ 12 + 2 (केवल L) = 120
⇒ केवल L = 54
शेष भाग:
$(D \cap L) = (D \cap V) = 15$
L में कुल:
केवल L + (D∩L) + (L∩V)+(सभी तीन)
= 54 + 15 + 18 + 12 = 99
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

62. उत्तर: (a)

- **निष्कर्ष I अनुसरण करता है: कथन एक स्पष्ट प्रतिरूप प्रस्तुत करता है:** जो देश स्वास्थ्य सेवा पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 5% से अधिक का व्यय करते हैं → उनकी जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष से अधिक होती है। चूँकि देश 'X' 6% व्यय करता है, यह इस शर्त के अनुरूप है, अतः समान परिणाम की अपेक्षा की जाती है।
- **निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है:** कथन एक संबंध दर्शाता है, न कि यह कि यही एकमात्र मार्ग है। अन्य कारक (पोषण, जीवनशैली, पर्यावरण) भी हो सकते हैं, इसलिए यह निष्कर्ष अतिवादी है।

अतः, सही उत्तर विकल्प (a) है।

63. उत्तर: (c)

व्याख्या:

(a) **गलत है** परिच्छेद तर्कसंगतता के माध्यम से वस्तुनिष्ठ अर्थ खोजने के विचार को खारिज करता है। यह अस्तित्वगत प्रश्नों को हल करने की क्षमता के बजाय तर्कसंगत समझ की सीमाओं पर बल देता है।
(b) **गलत है:** परिच्छेद स्पष्ट रूप से कहता है कि विसंगति को पहचानने का अर्थ त्याग या निराशा नहीं है। इसके बजाय, यह अंतर्निहित अर्थ की कमी के बावजूद जीवन के साथ निरंतर जुड़ाव को रेखांकित करता है।
(c) **सही है:** यह विकल्प परिच्छेद में प्रस्तुत विसंगतिवाद के सार को ग्रहण करता है। यह निरर्थकता की स्वीकृति को प्रतिबिंबित करता है और साथ ही मानवीय दावे के एक रूप के रूप में सक्रिय जुड़ाव पर बल देता है।
(d) **गलत है:** यह व्यक्तिपरक अर्थ को तो दर्शाता है लेकिन भावनात्मक समन्वय को प्रस्तुत करता है जिसका परिच्छेद में उल्लेख नहीं है। मुख्य ध्यान सचेत स्वीकृति पर है, न कि वास्तविकता के साथ भावनात्मक संरेखण पर।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

64. उत्तर: (b)

व्याख्या:

I. **वैध नहीं है:** यह मानता है कि तर्कसंगत अन्वेषण अस्तित्वगत अंतर्विरोधों को हल कर सकता है, जिसे परिच्छेद नकारता है। यह तर्कसंगत समझ की समस्या-समाधान क्षमता के बजाय उसकी सीमाओं पर बल देता है।
II. **वैध है:** परिच्छेद यह मानकर चलता है कि मनुष्य स्वाभाविक रूप से अस्तित्व में अर्थ और सुसंगतता खोजते हैं। यही अंतर्निहित प्रवृत्ति मानवीय इच्छा और वास्तविकता की उदासीन प्रकृति के बीच तनाव की व्याख्या करती है।

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

65. उत्तर: (c)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह विकल्प संतुलित प्रतीत होता है लेकिन चेतना से परे एक स्वतंत्र बाहरी वास्तविकता को मान लेता है। परिच्छेद वास्तविकता

को पूरी तरह से आनुभविक जागरूकता के भीतर स्थापित करके इसे अस्वीकार करता है।

(b) गलत है: यह विकल्प चेतना के माध्यम से प्रकटीकरण को स्वीकार करता है लेकिन वस्तुनिष्ठ संरचनाओं को प्रस्तुत करता है। परिच्छेद वास्तविकता के पूर्ण आनुभविक गठन पर बल देकर ऐसे द्वैतवाद से बचता है।

(c) सही है: यह विकल्प इस सार को ग्रहण करता है कि चेतना सक्रिय रूप से अर्थ और वास्तविकता का गठन करती है। यह ज्ञान के आधार के रूप में 'जीवंत अनुभव' पर परिच्छेद के ध्यान को सटीक रूप से दर्शाता है।

(d) गलत है: यह विकल्प चेतना द्वारा मध्यस्थता को स्वीकार करता है लेकिन उससे परे श्रेष्ठता का सुझाव देता है। परिच्छेद आनुभविक संरचनाओं से परे किसी भी वास्तविकता को नकारता है, जिससे यह विकल्प अपर्याप्त हो जाता है।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

66. उत्तर: (b)

माना औसत ऊंचाई = H

सभी 6 पेड़ों की कुल लम्बाई = 6H

अलग-अलग पेड़ के लिए व्यक्त करने पर

सबसे लंबा = $H+7$

सबसे छोटा = $H-3$

माना तीन समान पेड़ों में से प्रत्येक x है

चौथा पेड़ = $x+4$

अब,

$$(H+7)+(H-3)+x+x+x+(x+4)=6H$$

$$2H+4+4x+4=6H$$

$$2H+4x+8=6H$$

$$4x=4H-8 \Rightarrow x=H-2$$

उन 4 पेड़ों में से सबसे छोटा x = H-2

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

67. उत्तर: (b)

प्रश्नानुसार,

कार्य की दरें ज्ञात करने पर

X: $1/12$

Y: $1/18$

Z: $1/24$

ल०स०प० लेने पर = 72:

$X:Y:Z=6:4:3$

मजदूरी ∝ कार्य की दर

⇒ दैनिक मजदूरी का अनुपात = 6 : 4 : 3

कुल अनुपात = 13

वे 3 दिन काम करते हैं और ₹11,700 कमाते हैं

⇒ 1-दिन की कुल कमाई = 11,700 ÷ 3 = ₹3,900

प्रतिदिन Y का हिस्सा:

$$= \frac{4}{13} \times 3900$$

= ₹1,200

अतः, उत्तर विकल्प (b) है।

68. उत्तर: (d)

प्रश्नानुसार,

औसत = 42

योग = 4 × 42 = 168

T के जुड़ने के बाद न्य औसत = 44

नया योग = 5 × 44 = 220

इसलिए, T की आयु: 220 – 168 = 52

अब, U, P के स्थान पर आ जाता है

U = T – 10 = 52 – 10 = 42

नया औसत (Q, R, S, T, U) = 41

नया योग = 5 × 41 = 205

प्रतिस्थापन के बाद कुल: 220 – P + U = 205

U = 42 रखने पर:

220 – P + 42 = 205

262 – P = 205

P = 57

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

69. उत्तर: (a)

दिया गया है:

योग = 132, LCM = 360

म०स०प० (132, 360) = 12

माना संख्याएँ = 12a, 12b

⇒ 12(a + b) = 132

⇒ a + b = 11

ल०स०प० = 12ab = 360

⇒ ab = 30

अब:

a + b = 11, ab = 30

⇒ (a, b) = (5, 6)

संख्याएँ = (60, 72), केवल एक वैध युग्म

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

70. उत्तर: (c)

माना सहायक की वर्तमान आयु x है

तो वास्तुकार की वर्तमान आयु $=x^2$

3 वर्ष पहले:

$$x^2-3=11(x-3)$$

$$x^2-3=11x-33$$

$$x^2-11x+30=0$$

$(x-5)(x-6)=0$
इसलिए, $x=5$ या 6
लेकिन सहायक 6 वर्ष से कम आयु का है, इसलिए $x=5$.
अब, वर्तमान आयु:
सहायक = 5
वास्तुकार = $5^2=25$
माना 't' वर्ष बाद:
$25+t=3(5+t)$
$25+t=15+3t$
$10=2t$
$\Rightarrow t=5$
अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

71. उत्तर: (a)

- **निष्कर्ष I अनुसरण करता है:** कथन में उल्लेख है कि 14-18 आयु वर्ग के 15% बच्चे स्कूल से बाहर हैं, जिसका अर्थ है कि 18 वर्ष तक के सभी बच्चों की शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करने का नीतिगत लक्ष्य अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।
- **निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है:** कथन में बच्चों के स्कूल से बाहर होने का कोई कारण नहीं बताया गया है। "पाठ्यक्रम की अप्रासंगिकता" एक निराधार धारणा है; इसका कारण गरीबी, स्कूल से दूरी, पारिवारिक समस्याएँ आदि भी हो सकते हैं।

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

72. उत्तर: (d)

प्रश्नानुसार, निम्न बैठक व्यवस्था प्राप्त हुई:

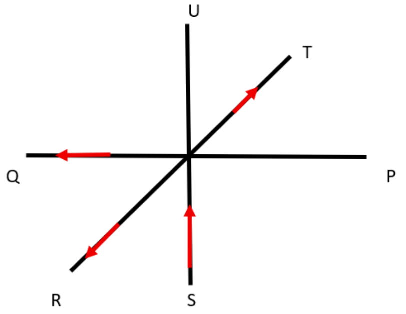

उपर्युक्त व्यवस्था से हम देख सकते हैं कि P की दिशा निर्धारित नहीं है, इसलिए हम अभीष्ट परिणाम ज्ञात नहीं कर सकते।
अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

73. उत्तर: (a)

कुल व्यक्ति = 31 (30 छात्र + 1 शिक्षक)
कथन I:
शिक्षक सहित औसत = 20
$\Longrightarrow$ सभी 31 व्यक्तियों की कुल आयु = $31 \times 20 = 620$
यदि शिक्षक को हटा दिया जाए, तो औसत 1 कम हो जाता है $\rightarrow$ 30 छात्रों के लिए 19
$\Longrightarrow$ 30 छात्रों की कुल आयु = $30 \times 19 = 570$
अतः, शिक्षक की आयु = 620 - 570 = 50
इस प्रकार, केवल कथन I पर्याप्त है।
कथन II:
शिक्षक + कक्षा प्रतिनिधि = 62
यह दो अज्ञात चरों के साथ केवल एक समीकरण देता है
$\Longrightarrow$ शिक्षक की आयु विशिष्ट रूप से ज्ञात नहीं की जा सकती
इस प्रकार, केवल कथन II पर्याप्त नहीं है।
अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

74. उत्तर: (c)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह समावेशिता में कमी के बावजूद शासन में सुधार का सुझाव देता है, जो संतुलित प्रतीत होता है। हालाँकि, परिच्छेद केवल नकारात्मक परिणामों पर बल देता है, न कि किसी लाभ-हानि के संतुलन (Trade-off) पर, जिससे यह सूक्ष्म रूप से गलत हो जाता है।
(b) **गलत है:** यह मान लेता है कि मानकीकरण के बावजूद विविधता को मान्यता प्राप्त रहती है। परिच्छेद स्पष्ट रूप से मान्यता के संकुचित होने को रेखांकित करता है, अतः यह निहित परिणाम का विरोध करता है।
(c) **सही है:** यह सीधे तौर पर प्रक्रियात्मक दुर्बलता और विचार-विमर्श के अभाव का तार्किक परिणाम है। इसका स्वाभाविक परिणाम ऐसी अपवर्जक नीतियां हैं जो जटिल और जीवंत सामाजिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल बिठाने में विफल रहती हैं।
(d) **गलत है:** यह परामर्श के माध्यम से वैधता को स्वीकार करता है लेकिन प्रशासनिक दक्षता को समान रूप से महत्वपूर्ण बताता है। परिच्छेद समावेशिता को प्राथमिकता देता है, न कि दक्षता के संतुलन को, जिससे यह व्याख्या अधूरी रह जाती है।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

75. उत्तर: (d)

व्याख्या:

(a) **गलत है:** यह विकल्प संतुलित प्रतीत होता है लेकिन धारणा से परे स्वतंत्र भौतिक वास्तविकता को बनाए रखता है। परिच्छेद ऐसी स्वतंत्रता को पूरी तरह से नकारता है, जिससे यह एक निकटतम लेकिन अंततः गलत व्याख्या बन जाती है।
(b) **गलत है:** इस विकल्प में दिव्य संज्ञान शामिल है लेकिन गलत तरीके से भौतिक वस्तुओं को आंशिक स्वतंत्रता प्रदान करता है। परिच्छेद धारणा के परे पदार्थ की किसी भी सत्तामीमांसीय स्थिति से इनकार करता है।
(c) **गलत है:** यह विकल्प धारणा को प्राथमिक मानता है लेकिन फिर भी पदार्थ को सीमित प्रासंगिकता प्रदान करता है। परिच्छेद भौतिक पदार्थ के न्यूनतम व्याख्यात्मक महत्व को भी अस्वीकार करता है।
(d) **सही है:** यह विकल्प धारणा पर वास्तविकता की पूर्ण निर्भरता को सूक्ष्मता से ग्रहण करता है। यह अतिरंजना के बिना स्वतंत्र भौतिक पदार्थ को सफलतापूर्वक समाप्त कर देता है, जो परिच्छेद के दार्शनिक तर्क के साथ सटीकता से सुमेलित है।

अतः, उत्तर विकल्प (d) है।

76. उत्तर: (a)

व्याख्या:

I. **वैध है:** यह इस विचार के अनुरूप है कि वास्तविकता निरंतर धारणा के माध्यम से बनी रहती है। परिच्छेद यह पूर्वधारणा बनाता है कि स्थिरता अंतर्निहित भौतिक अस्तित्व के बजाय निरंतर प्रत्यक्ष जुड़ाव पर निर्भर करती है।

II. **वैध नहीं है:** यह स्वतंत्र भौतिक अस्तित्व को स्वीकार करता है, जो परिच्छेद के मूल तर्क के विरुद्ध है। यद्यपि यह सामान्यतः तर्कसंगत लग सकता है, किंतु यह प्रस्तुत दार्शनिक ढांचे का सीधे तौर पर विरोध करता है।

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

77. उत्तर: (a)

प्रश्नानुसार,

व्यंजक का सरलीकरण करने पर:

$$\frac{(240)^2}{13}+\frac{126}{13}+\frac{57}{13}+\frac{82}{13}+\frac{64}{13}$$

सभी पदों को शेषफलों में रूपांतरित करने पर:

$$\frac{10+9+5+4+12}{13}$$

शेषफलों को जोड़ने पर:

$$\frac{40}{13}=1(\text{शेषफल})$$

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

78. उत्तर: (a)

माला I:

माना दूरी = d कि.मी.

अमित द्वारा लिया गया समय = d/4

सुमित द्वारा लिया गया समय = d/5

दिया गया है: अमित 15 मिनट अधिक लेता है $=\frac{1}{4}$ घंटे

$$\frac{d}{4}-\frac{d}{5}=\frac{1}{4}$$

$$\frac{5d-4d}{20}=\frac{1}{4}\Rightarrow\frac{d}{20}=\frac{1}{4}\Rightarrow d=5$$

माला I = 5 किमी

माला II:

माना कुल दूरी = D किमी

चाल = 60 किमी/घं

पहले 75% के लिए समय:

$$\frac{0.75D}{60}$$

अंतिम 25% के लिए समय:

$$\frac{0.25D}{60}$$

दिया गया अंतर = 10 मिनट $=\frac{1}{6}$ घंटे

$$\frac{0.75D}{60}-\frac{0.25D}{60}=\frac{1}{6}$$

$$\frac{0.5D}{60}=\frac{1}{6}\Rightarrow\frac{D}{120}=\frac{1}{6}\Rightarrow D=20$$

माला II = 20 किमी

तुलना करने पर, हमें प्राप्त होता है:

माला I < माला II

अतः, उत्तर विकल्प (a) है।

79. उत्तर: (c)

पट्टियों की एक पंक्ति के लिए, किन्हीं भी दो आसन्न पट्टियों का रंग समान नहीं हो सकता है।

कथन I: प्रथम पट्टी: 3 विकल्प

प्रत्येक अगली पट्टी: 2 विकल्प (पिछली पट्टी से भिन्न)

अतः, कुल विधियाँ = $(3 \times 2^3 = 24)$

इस प्रकार, कथन I सही है।

कथन II: प्रथम पट्टी: 3 विकल्प

प्रत्येक अगली पट्टी: 2 विकल्प

अतः, कुल तरीके = $(3 \times 2^4 = 48)$

इस प्रकार, कथन II भी सही है।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।

80. उत्तर: (c)

प्रश्नानुसार,

S1: C, केवल A और E से लंबा है

$\Longrightarrow C > A, E$

और, B, केवल C से लंबा है लेकिन D से छोटा है

$\Longrightarrow C < B < D$

क्रम: A, E < C < B < D

हम अब भी यह नहीं जानते कि F सबसे लंबा है या नहीं

इस प्रकार, S1 अकेले पर्याप्त नहीं है

कथन S2: B, F से छोटा है

$\Longrightarrow B < F$

D, B से लंबा है, लेकिन D सबसे लंबा नहीं है

$\Longrightarrow$ B < D < (कोई और सबसे लंबा है)

हम अभी भी पूर्ण क्रम या सबसे लम्बे को निर्धारित नहीं कर सकते

इस प्रकार, S2 अकेले पर्याप्त नहीं है

S1 और S2 एक साथ मिलाने पर; हमें प्राप्त होता है:

F > D > B > C > A/E

इस प्रकार, F सबसे लंबा है।

अतः, उत्तर विकल्प (c) है।